अस्सिटेंट फैशन डिजाइनर

योग्यता पैक
रेफ. आई.डी. : ए.एम.एच./क्यू1210

क्षेत्र
अपैरल्स, मेडअप्स और होम फर्नीशिंग

कक्षा
11वीं एवं 12वीं

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

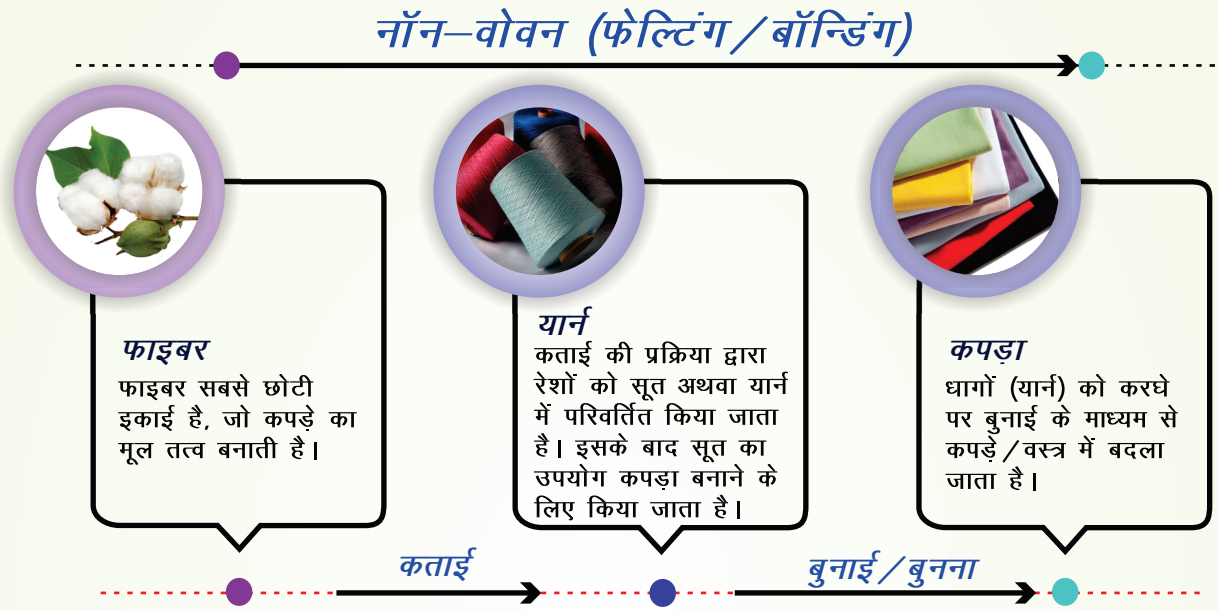

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

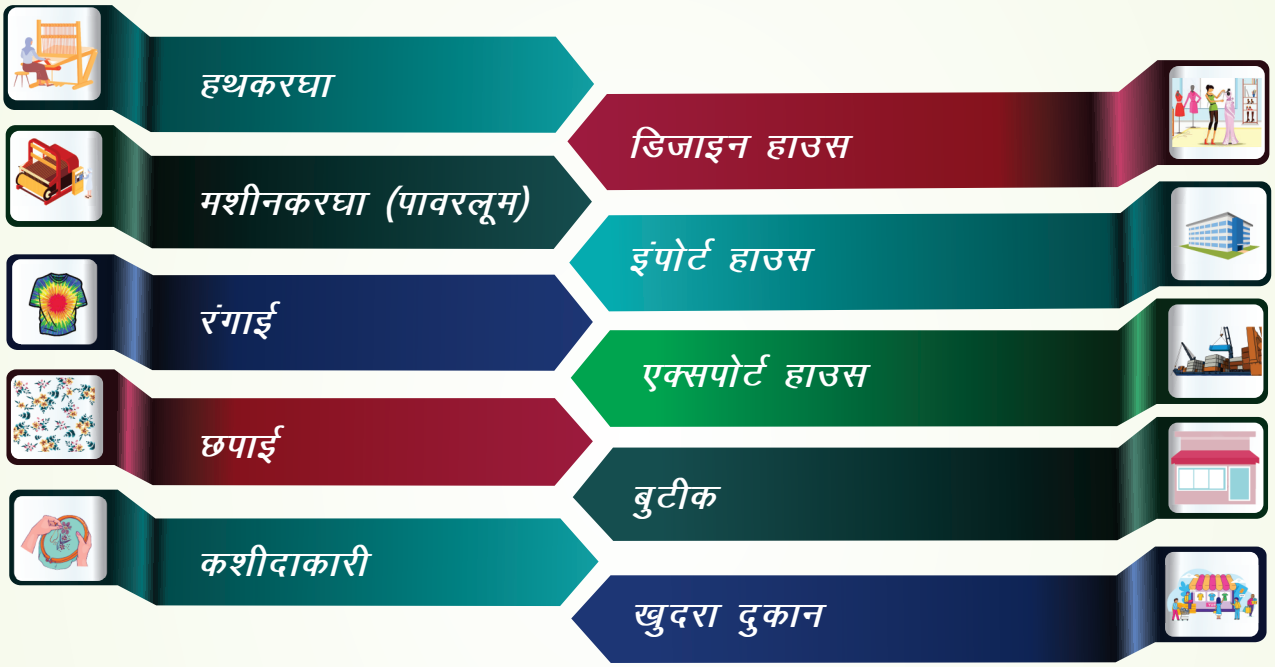

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

सहायक फैशन डिजाइनर इस सेक्टर के महत्वपूर्ण जॉब रोल में से एक है। एक सहायक फैशन डिजाइनर व्यावसायिक अथवा कमर्शियल और डिजाइन संकल्पनाओं के विकास के लिए जरूरी दक्षता एवं ज्ञान में प्रवीण होता है।

एक सहायक फैशन डिजाइनर के पास कला आरेखण (ड्राइंग) की बारीक समझ के साथ एक पारखी नजर होती है। उसके पास बुनियादी गणितीय कौशल होना आवश्यक है, खासकर मापन और गणना कार्य के लिए। इसके साथ ही उसके पास अच्छे लेखन और संचार कौशल के साथ–साथ समय प्रबंधन का गुण भी होना चाहिए।

सहायक फैशन डिजाइनर की भूमिका और जिम्मेदारियां

एक सहायक फैशन डिजाइनर, रचनात्मक और व्यावहारिक समर्थन देने वाले प्रमुख फैशन डिजाइनर के मार्गदर्शन में काम करता है। उसके पास एक डिजाइनर द्वारा किए गए सभी कार्यों के लिए कलात्मक प्रतिभा के साथ–साथ पर्याप्त तकनीकी ज्ञान भी होना चाहिए।

सहायक फैशन डिजाइनर एक ऐसा जॉब रोल है, जो अध्ययन, विश्लेषण, अवधारणा, सन्तुष्ट के बाद अंत में आकर्षक डिजाइनों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। एक सहायक फैशन डिजाइनर की सामान्य भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को नीचे समझाया गया है:

कार्य दायित्व

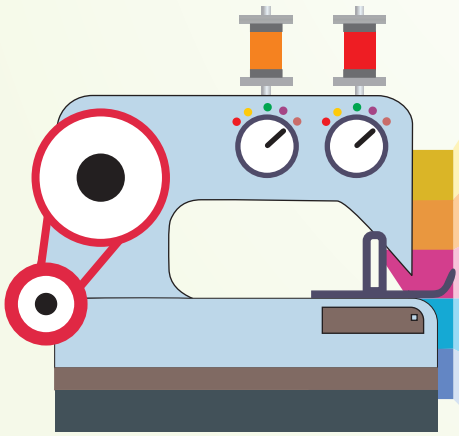

- ट्रेंड फोर्कास्टिंग और बाजार अनुसंधान (मार्केट एनालिसिस)
- मूड बोर्ड, ट्रेंड बोर्ड और स्टोरी बोर्ड की सहायता से डिजाइन विकास और व्याख्या
- नमूनों (सैंपल) और प्रोटोटाइप का विकास
- कपड़ा और ट्रिम्स की सोर्सिंग
- परिधान विकास

पाठ्यक्रम की शुरूआत में कार्य उद्योग की संरचना के अध्ययन के साथ शुरू होता है, इसमें मौसमी परिधान संग्रह की योजना और डिजाइनिंग शामिल है। पाठ्यक्रम की शुरूआत वस्त्र/कपड़ा उद्योग (गार्मेंट इंडस्ट्री) की संरचना एवं कार्यपद्धति को समझने के साथ शुरू होती है। इसमें फैशन सीजन के अनुरूप गार्मेंट कलेक्शन्स की प्लानिंग व डिजाइनिंग भी पढ़ाई जाती है। इस पाठ्यकम में डिजाइन के सिद्धांत व डिजाइन उत्पादन की विभिन्न पद्धतियों को भी शामिल किया गया है। छात्र इस विषय के अंतर्गत डिजाइन और सैम्पल डेवलपमेन्ट, विभिन्न स्वास्थ्य, सुरक्षा संबंधित नियमों और उनसे संबंधित नैतिक एवं वैधानिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन डेवलपमेन्ट और सैंपल निर्माण का कार्य सीखते हैं।

नैतिक और कानूनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन विकास और नमूना बनाने के बारे में भी सीखते हैं। शामिल की गई इकाइयां हैं:

कक्षा–11वीं

इकाई–1 विभिन्न फैशन सीजन के अनुरूप फैशन कलेक्शन की परिकल्पना व डिजाइनिंग

यह इकाई छात्रों को रेडीमेड गार्मेंट उद्योग की संरचना और कार्य प्रणाली के साथ साथ डिजाइनर की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से परिचित कराएगी। इसके साथ ही छात्रों में विभिन्न उपकरणों और उनके उपयोग की समझ को भी विकसित करेगी। इस इकाई की व्यावहारिक गतिविधियों में कपड़ा उद्योग और डिजाइन हाउस की संरचना को समझने के लिए उनका दौरा करना और परिधान का माप लेने और माप की जांच के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है।

इकाई–2 डिजाइन के तत्व, सिद्धांत और उनका उपयोग

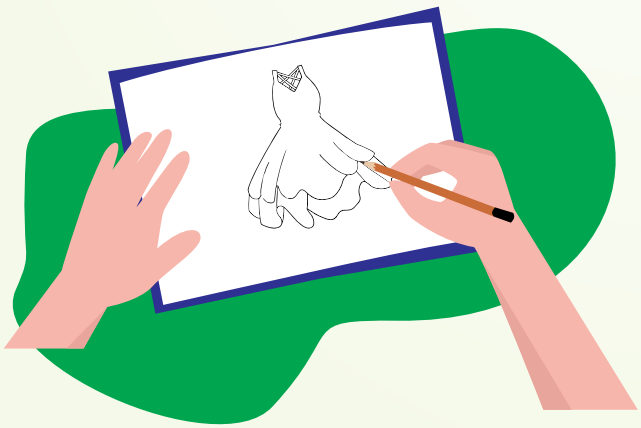

यह इकाई बुनियादी डिजाइन तत्वों सिद्धांतों और उनका डिजाइन बनाने में उपयोग करने का परिचय देती है। छात्रों को वस्त्र डिजाइनिंग के सौंदर्य और कार्यक्षमता को संयोजित करना भी सिखाया जाएगा और इसके लिए डिजाइन के विभिन्न सिद्धांतों का पालन करते हुए परिधान की डिजाइन बनाना सिखाया जाएगा। इस इकाई के छात्र डिजाइन के तत्वों और सिद्धांतों के व्यावहारिक उपयोग के बारे में सीखेंगे।

इकाई–3 डिजाइन विकास, टेक पैक और नमूने (सैम्पल्स)

इस इकाई में डिजाइन तैयार करने के सभी स्तरों के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। इसमें मार्केट रिसर्च, प्रेरणा (इंस्पिरेशन), कलेक्शन डेवलपमेन्ट और तकनीकी विवरण के बारे में भी चर्चा की जाएगी। टेक पैक में शामिल किए जाने वाले सभी विवरण, सैंपल डेवलपमेन्ट के साथ साथ गार्मेंट प्रोटोटाइप के महत्व पर भी चर्चा की जाएगी।

इकाई–4 स्वतंत्र कार्यस्थल स्वच्छ और जोखिम

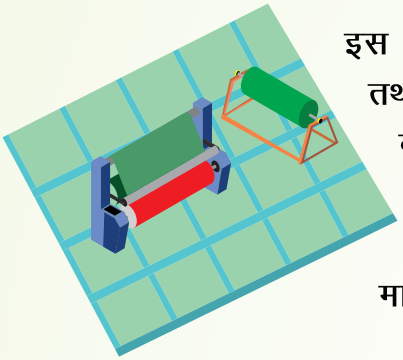

इस इकाई में छात्र स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा का कार्यस्थल पर महत्व तथा कार्यस्थल पर उनके रखरखाव के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही वे कर्मचारियों व आगंतुकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा की जिम्मेदारियों के वहन के बारे में भी पढ़ेंगे। इस इकाई में कार्यस्थल पर एक ऐसे वातावरण के निर्माण के बारे में पढ़ेंगे जो सभी कर्मचारियों के लिए शारीरिक, मानसिक व सामाजिक रूप से लाभदायक हो।

इकाई–5 कार्यस्थल पर लागू स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी आचरण

इस इकाई में छात्र श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का उनकी उत्पादकता और दक्षता पर असर के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखना और उन्हें सुरक्षित कामकाजी माहौल प्रदान करने के बारे में भी पढ़ेंगे। यहां छात्र विभिन्न संभावित स्वास्थ्य और सुरक्षा खतरों, जोखिमों को समझेंगे और विभिन्न स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी प्रथाओं के बारे में भी जानेंगे, जिनका किसी भी संगठन में कर्मचारियों और परिसर को सुरक्षित रखने के लिए पालन किया जाना चाहिए।

इकाई–6 कानूनी नियामक और नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन

इस इकाई में छात्र वस्त्र एवं कपड़ा संबंधी उद्योगों, संगठनों, कार्यालयों और उत्पादन इकाइयों के लिए संबंधित सरकारों और देशों द्वारा तय किए गए नियमों और अनुपालन के बारे में पढ़ेंगे। साथ ही वे

इनकी आवश्यकता व पालन के बारे में जानेंगे। परिधान और कपड़ा उद्योग को संचालित करने के कलिए जिन मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता है उसके बारे में भी चर्चा की जाएगी। विभिन्न कानूनी, नैतिक व नियामक संबंधी आवश्यकताओं के बारे में भी इस इकाई में पढ़ाया जाएगा।

कक्षा 12वीं के छात्रों की पाठ्यपुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित शामिल है:

कक्षा–12वीं

इकाई 1

विभिन्न फैशन सीजन के लिए परिधान डिजाइन संग्रह तैयार करना: इस इकाई के माध्यम से छात्रों को परिधान निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं से परिचित कराया जाएगा। वे परिधान के विभिन्न भाग, कपड़े के आकलन और परिधान निर्माण तकनीकों के बारे में भी सीखेंगे। यह इकाई छात्रों को परिधान उद्योग में प्रभावी उत्पादन योजना और परिधानों के लिए लागत शीट (कॉस्ट शीट) बनाने के लिए भी तैयार करती है।

इकाई 2

टेक पैक, प्रोटो और फिट सैंपल्स (नमूनों) का विकास: इस इकाई में छात्र टेक पैक, प्रोटो सैंपल और फिट सैंपल के बारे में जानेंगे, जिसका ज्ञान फैशन डिजाइनर के लिए बहुत आवश्यक हैं। इस इकाई में वस्त्र उत्पादन प्रणाली के बारे में भी बताया जाएगा। यह इकाई छात्र को परिधान उत्पादन प्रणाली और परिधान संयोजन (गार्मेंट असेम्बली) के अनुक्रमण को समझने के लिए भी तैयार करती है।

इकाई 3

प्रोटो और फिट सैंपल्स (नमूने) का मूल्यांकन और सुधार: इस इकाई में प्रोटो सैंपल्स के मूल्यांकन के लिए तय किए गए विभिन्न मापदंडों और प्रोटो सैंपल के मूल्यांकन में शामिल किए गए चरणों को समझाया गया है। परिधान की फिटिंग को प्रभावित करने वाले कारकों पर भी इस इकाई में चर्चा की गई है। छात्रों को फिटिंग के विश्लेषण हेतु एडवांस और इनोवेटिव सैंपल टेस्टिंग विधियों से भी परिचित कराया जाएगा। पर्यावरण की स्थिरता व अक्षुण्णता को बनाए रखने पर भी चर्चा की जाएगी।

इकाई 4

स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्य क्षेत्र बनाए रखें: यहां छात्र एक स्वच्छ और जोखिम मुक्त कार्यस्थल के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे। वे कर्मचारियों और आगंतुकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के बारे में भी जानेंगे। दुर्घटनावश गिरने से रोकने के लिए साफ सतहों, उपयुक्त जूते और चलने की उचित गति के महत्व व उनकी सुनिश्चितता के बारे में भी जानेंगे। सीढ़ियों और गलियारों की सफाई, सूखापन और दुर्घटनाओं को कम करने और एक सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के बारे में भी इस इकाई में चर्चा की जाएगी।

इकाई 5

कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा: इस इकाई में छात्र स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा के कार्यस्थल पर महत्व के बारे में जानेंगे। कर्मचारियों के बारे में जानेंगे। वे सुरक्षा से संबंधित जोखिम व आपात स्थितियों के बारे में भी पढ़ेंगे। छात्र इस इकाई में मशीन व उपकरणों में आने वाली खराबियों को समझने व उसकी रिपेरिंग के बारे में भी जानेंगे। इसके अलावा आपात स्थितियों की ठीक तरह सूचना प्रदान करने के बारे में भी जानेंगे।

इकाई 6

उद्योग और संगठनात्मक आवश्यकताएं: इस इकाई में छात्र संस्थागत नियमों, अनुपालनों व उनमें लगने वाले विभिन्न दस्तावेजों के बारे में पढ़ेंगे। वे ग्राहकों से संबंधित नियमों व इनकी जरूरतों के बारे में भी पढ़ेंगे। नैतिकी बाध्यताएं व उनसे संबंधित दस्तावेज साथ ही साथ इन नियमों से विचलन के बारे में भी जानेंगे।

रोजगार के अवसर

इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद निम्नलिखित नौकरियां छात्रों को मिलने की संभावना है:–

स्वरोजगार

- फ्रीलांस फैशन डिजाइनर
- फ्रीलांस ड्रेस डिजाइनर
- फ्रीलांस सैंपल मेकर
- स्वयं का वस्त्र व्यवसाय

वैतनिक रोजगार

- एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में सहायक फैशन डिजाइनर
- एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में फैशन डिजाइनर
- एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में ड्रेस डिजाइनर
- एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस में नमूना निर्माता (सैम्पल डेवलपर)

सहायक फैशन डिजाइनर जॉब रोल का पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद निम्नलिखित क्षेत्रों में कॅरियर बनाया जा सकता है।

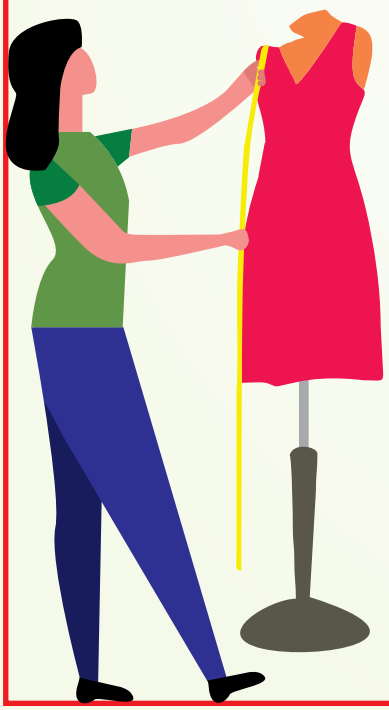

- पैटर्न मेकिंग
- गार्मेंट डिजाइनिंग
- स्टिचिंग और फिनिशिंग

(ऑन जॉब ट्रेनिंग)

- सरकारी और गैर-सरकारी स्किल प्रशिक्षण केंद्र
- सरकारी और गैर-सरकारी एक्सपोर्ट/बायिंग/डिजाइन हाउस
- परिधान क्षेत्र के सरकारी और गैर-सरकारी उद्योग में डिजाइन विकास/उत्पाद विकास विभाग

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in